इ. वि. का. राजवाडे संशोधन मंडळ धुळें.

—: हस्त लिखित ग्रंथ संग्रह :—

ग्रंथ क्रमांक ५[illegible]१८२ (१८२)

ग्रंथ नाम ग[illegible] मोक्ष.

विषय मराठी काव्य.

Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai.
" Joint project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai."

मराठी काव्य 1/2

क्र.नं. २३

५७६/५१८२

पद्यांचें बाड

१ यंशवंत.
२ तुकाराम
३ नामदेव.
४ उद्धव
५ श्रीधर
६ ज्ञानेश्वर
७ रामदास

अभंग, पदें कवन
वगैरे आहे

८ शिवाजी
९ नारायण
१० नागताई

एक वही व काही सुटे कागद
सुटे कागदांत स्तोत्रे, श्लोक व अभंग इ०

"Joint project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai."

(1) ॥ श्री ॥ गजानन प्रसंन्न ॥

॥ ॐ नमो जी एकदंता ॥ देवि गौरिच्या सुता ॥
॥ करुणाकरा दयावंता ॥ लंबोदरा गौरि
॥ मोलि ॥ १ ॥ नमन माझे शारदे माये ॥
॥ मजलागी तु पावि लवपरे ॥ वाचा हारि
॥ गुणगाय [illegible] वि ॥ २ ॥ न मनमा
॥ झ्ये आदिया [illegible] कावि परम प्रीति ॥
॥ जेण पावन वीज [illegible] गुरुत्या पति निवेदि
॥ ले ॥ ४ ॥ नमन म [illegible] गुरुनाथा ॥ वेद वि
॥ आवायेथ [illegible] चालवे जी समर्थी ॥
॥ हौरि गुणनामामृत [illegible] धा ॥ ५ ॥ सकळ सुखा
॥ चाई ॥ ॥ पुर्ण ब्रह्म सनातन व्यंकटेश ॥ स्थीर
॥ करुनी या मानसू ॥ हारिचे चरित्र श्रवण कीजे ॥
॥ ६ ॥ ज्यापासुन निर्माण त्रीगुण ॥ तो मलकास्थ
॥ व जाला सगुण ॥ लोपाचे लिळ्या चलरुन ॥
। भक्त केजन उध्धरिले ॥ ७ ॥ ऐसा जो जगजीव
न ॥

"Joint project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai"

(२)

॥ करुणा वचेन आध्यिलो देव हास्य म्हणे भोळि

॥ हे कि जेसा वकारो ॥ आदरें करुन साव

॥ काशपरिशडे ॥ ७ ॥ जयजयाजि व्येकठे

॥ शा ॥ पुराणपुरुषा तमापरेशा ॥ अकाचिपु

॥ रविसिध्याशा ॥ माझी रुपक्षा कारके लि ॥ ८ ॥

॥ युगायुगि सत्कामि ॥ [illegible] रतपावासि रावि

॥ केषी ॥ तदुभ [illegible] डालासि ॥ म

॥ जनपवारि [illegible] ॥ ९ ॥ गजिंद्र

॥ सै कहिआक [illegible] ज कि कासावि

॥ स डाला गाज [illegible] षाव ला सिगरु३

॥ ध्वजा ॥ गाडि [illegible] निले ॥ १० ॥ चेन्के

॥ नक्र विदारिला ॥ गजेंद्रु चा सोडविला ॥

॥ तो पुरुषाचे काय जाला ॥ नकवे मज स्वा-

॥ मिया ॥ ११ ॥ द्रोपदि आणिलि संभास्थानि ॥

॥ रवकदुरासा बोलवाणि ॥ नचकराया

" Joint project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai. "

(३)

।।ये इलेशीनि।। लेक्राचेक्र पाप्पिआठ वितें ।।१२
।।गरुडासिटाकूनिमागे।। धाविलासिला
।।गाव्येगं।। वस्त्रपुरविलिसिआनेगें।।सं
।।रव्यारहिदगाविस।।१३।। चनींआसतापां
।।डवाना।। दुर्वासक्रालेभोजेना।। तेव्हां उ
।।निवेंहावन।। श्री[illegible]चा हुआआआळवि
।।ळो।।१४।। लस[illegible] निडसुरा।। दे
।।को निद्रोपरि[illegible]णरा।। घायिला
।।सिस्तारेंराघरें[illegible]।।१५।। आस्चासि
।।ले द्रौपदीसि।। [illegible]गान मागे।। नरवासि।।
।।काहिंनक केलापाड वासि।। रुपेस्वस्तु
।।पकेलें।।१६।। रायाजिव्हंलरिकेला सुरवीं।।
।।दिगांबर आसला हे परलोकि।। केशवाचि
।।बुधिजनापुननिकि।। स्मरणचाळाला वि
।।ळो।।१७।। शंकरमठाचिवेथलिवृति।।आ
।।नारानकेलिवैराग्यस्तीति।। शंकरानंदा
।।आत्मस्थीति।।

Joint project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai.

(५)

तुंबळु गुरु मुखें वदति ॥१८॥ ऐसें तु
झें गुण कोठि आपार ॥ न वर्णवे तुझा पा
र ॥ ऐसा तु परात्पर ॥ महिमा आगोचर
वेदांसि ॥१९॥ दिनानाथा तुं श्री हरि ॥ का
यवणें तुझी येरि [illegible] लागि चराचरि ॥
इच्छा सारिखा तु [illegible] ॥ कोणासि होउ
नि गुरुरुप ॥ [illegible] चा त्रासि प ॥
कोणासि ल[illegible] ॥ चकाशाकरि
सि परिपूर्ण ॥२[illegible] सि स्वरु
पस्तीति ॥ [illegible] सखा आनंद कीर्ति ॥
कोणासि सगुण गुरु ॥ होउनिया प्रगटसि ॥
॥२२॥ कोणासि दावसि भजन सभ्रम ॥ को
णासि ह्मणसि ह्मणा नाम ॥ कोणा येकासि
वैकुंठ धाम ॥ वस्ती लागोनि पदेसि ॥२३॥
भक्ता लागीं आनंद आवतार ॥ अनंत

A joint project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai.

(5) १८

।। श्रीगणेशाय नमः ।। शोभ स्वामी गोपाळं।
।। शोभोतां बुक शोभ श्री मोष क मळी को
।। शेर नीउ ळी चां चं रपी यळी पुस्प पळीसे।।
।। नुनीवण माळी शोभ रत्तिकम व्याकं(ला
।। शोभ ।।१।। क म ... ण पीतांबरधारि
।। मणी म ... व्य ... व्य हो रि सुरसाक।
।। रि सजे पसुख ... भ स्वामी ।।।।२।।
।। शाम चेतु ... भ क टि टिव्ठ क।।
।। कलाटी सुरेख ... रत्न मोगुट सुर
।। हर बीर गुटी शोभ स्वामी गोपाळ मशो।
।। भ ।।३।। नीहानी नीळ पहाणी त्री भोवण
।। हस नी वी ह ल क वि ध्या नी शोभ स्वा।
।। मी गोपाळ म शोभो शाम रत्तिकम ळा

Joint project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai.

॥ कांताशेमं ॥४॥ ५॥ ५३॥ ५४

॥ शेषं ताकारं भुजंगशेयं पद्मनाभं सु॥

॥ रेशं ॥ वीश्वाधारं गगनसदृशं मेघव॥

॥ र्णं शुभांगं ॥ लक्ष्मीकांतं कमलनयनं॥

॥ योगिभिर्ध्यानगम्यं वंदे वीष्णुं भवभय॥

॥ हारं सर्वलोकै [illegible] ॥ समचेरणस॥

॥ रोजं सां [illegible] भं ॥ उंघननीहि॥

॥ तपाणिं पुंडपं [illegible] नं ॥ तारुणलुल॥

॥ सीमल्लां [illegible] नेयं ॥ सहृयेध्वव॥

॥ ल्हासं वीटलं चिंतयामी ॥ २ ॥ सस्यज्ञा॥

॥ नसुखः स्वरुपममलं श्रीराच्छीम॥

॥ ध्यस्थलीं योगारुटमलिः प्रसन्नवदा॥

॥ नं प्रशुशासहश्रोज्वलं ॥ तेद्दीं चेक्रपीन॥

Joint project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai.

(७)

॥कीसा॥भयेवरांबीभ्रा॥णमर्क छेबीं॥छे

॥चेभुतपूणेंद्र इंदुधवलं लक्ष्मीनृसिं॥

हंभजेत॥१॥लक्ष्मीशोभितवामभा॥

गं मकंसीव्हासनेंसदरां॥सव्यचेकेधा

रं चेनीभ[illegible] नव्यापणवरां॥

॥सुपोधीशो [illegible] ममत्वेआक्षें॥

॥सुस्तुरु॥व [illegible] ुनेद्रवंदितपा॥

॥दं लक्ष्मीन [illegible] वेद्दा॥६॥ ५॥ ६

॥श्रीसम॥श्रीरामाय रामभद्राये रा॥

॥मचेद्रायवेहसे॥ रघुनाथायनाथाये॥

॥सीताये॥ पतयेनमः॥ अहील्याद्रौ॥

॥पतिसीतातारामंदोदरिस्तथा पंच॥

॥कंन्यास्मरेनीसें॥ माहापातकनाशनं॥

Joint project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai

॥श्रीमत्सद्गुरुसमज्ञानानंदस्वरुपश्री॥
॥गुरुवीदेहव्यांमत्तेस्वरामनमः॥श्लो॥
॥कनमनपरा॥नमोहंसनारायेणब्र॥
॥ह्मरुपा॥ नमोसद्गुरुश्रीवीदेहा॥न॥
॥मस्कारमाझा [illegible] याव्यांमतेशा॥१॥ना॥
॥मोरामदास [illegible] सुदेवा॥नमो॥
॥सद्गुरुश्री [illegible] देव॥ध्रु॥२॥
॥मनोरम्यकुं [illegible] रचावीहरि॥
॥कृपाकुस्वं [illegible] मसापीहारि॥
॥स्वबोधेंसदानीववीव्यामतेशा॥ना॥
॥मस्कारमाझावयाव्यामतेशा॥३॥५
॥बुधीबिंबलंयेशोधेंपंनीर्भयबंव्यरा॥
॥म्यदाःव्याजाटसंवाकपटंवचंहनंमंत्रम
॥पादुकासद्गु॥४॥ ५ग ५न

" Joint project of the Rajwade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai. "

(१) १९

॥ श्रीगणेशायेनमः ॥ नमस्तेस्तु मा ॥
॥ हामाये श्रीपिठेसुरसपुजीते ॥ शंखचे ॥
श्रीमाहालक्ष्मी नमोस्तुते ॥१॥ नमस्ते
॥ क्र गदाहस्ते गरुडारुढे कोल्हासु ॥
॥ रभयंकरि ~~सर्वसीधीप्रदेदेवी~~ ॥ को ॥
॥ मारिवैखा वी [illegible] श्रीमाहा ॥२॥
॥ सर्वज्ञसर्व [illegible] दुष्टभयंकरी ॥
॥ सर्वसीधी [illegible] श्रीमाहांदेवी ॥
॥३॥ सीधीबुध [illegible] वी ॥ मंत्रमुर्ती
॥ घदायनि ॥ मंत्रमुर्तेसदानंदीश्री ॥
॥ माहालक्ष्मी ॥४॥ आद्यंतरहितेदे ॥
॥ वीआद्याशक्ती महेस्वरी ॥ योगीणी योग ॥
॥ संभुते श्रीमाहालक्ष्मी ॥५॥ स्थुलसु ॥
॥ क्षमहारौद्रेमाहाशक्तेमहोदरे ॥

Joint project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai

५२ (१०)

॥माहांपापहोरे देवी श्री माहालक्ष्मी॥
॥६॥ पद्मासनंस्थिते देवी परब्रम्हस्व॥
॥रुपीणीं॥ पद्मासनन दव्हे ताक्षीश्री॥
॥माहालक्ष्मी॥७॥ स्वेतांबरधरें देवी॥
॥नानालंकारभुशीते जगपुजे जग॥
॥न्मातेश्री मा [illegible] ॥८॥ महांलक्ष्मी
॥ष्टकं स्तोत्र [illegible] यःपठेन राः॥ दा॥
॥रिद्रनाशनः [illegible] ड्य प्राप्ति चशाश्व॥
॥तं॥९॥ येककाले [illegible] टेयं माहापाप॥
॥कनाशनं॥ द्वीकाळे पटेनीयं सर्वश॥
॥त्रुवीनाशनं॥ त्रीकाळे पटेनीयं धन॥
॥धान्यसमन्वीतं॥ चतुकाले पटेनी॥
॥यं चसंभा दशसरस्वती॥ नमो देवी॥

" Joint project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai. "

(11)

॥ माहादेवीसीवायै सततं नमः ॥ न॥
॥ मः प्रकृत्यै भद्रायै नियताः प्रणता॥
॥ स्म ताः ॥ सर्व मंगळ मांगल्ये सीवे स॥
॥ र्वार्थसाधके शरण्ये त्र्यंबके गौरि श्री॥
॥ माहांलक्ष्मी न[illegible]ते ॥ श्री॥ ९॥
॥ श्रीगणेशा[illegible] श्रीसीध्यलक्ष्मी॥
॥ मीस्तोत्र चार[illegible] ब्रह्मा श्रीसी॥
॥ ध्यलक्ष्मी[illegible]ये हीरण्येग॥
॥ र्भरुषीः ॥ ब्राह्मी देवता श्री ए पुछंदः॥
॥ मम सर्वत्र दोरोक्ले शापीडा दारिद्र॥
॥ नीरसनार्थे सीध्येश्वर्य लक्ष्मी ॥ प्रा॥
॥ प्त्यर्थं सीधलक्ष्मी स्तोत्र जपे वीनीयो॥
॥ गः ॥ आथन्यासः ॥ ॐ सी धलक्ष्मी॥

Joint project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai.

(१२)

॥ अंगुष्ठाभ्यां नमः॥ ॐ ह्रीं वीं ष्टुं ते॥

॥ जसे राजनीभ्यां नमः॥ ॐ क्लीं अमृता॥

॥ नंदे मध्यमाभ्यां नमः॥ ॐ श्रीं दें से मा॥

॥ लीनी अनामीकाभ्यां नमः॥ ॐ ह्रीं क्लीं॥

॥ श्रीं ब्राह्मी वैष्णवी रौद्री करपृष्ठकरा॥

॥ पृष्ठाभ्यां न[illegible]सी श्रुं लक्ष्मी हृ॥

॥ दयाय नमः॥ … वी ष्टुं ते जसे॥

॥ सीरसे नमः॥ … भ्यामृतानंदे सी॥

॥ खायै वौषट्॥ श्रीं दें समलीनी कवचा॥

॥ य हुं॥ ॐ तेजः चक्रासी नेत्रत्रय वौषट्॥

॥ ॐ ह्रीं क्लीं श्रीं ब्राह्मी वैष्णवी रौद्री अ॥

॥ स्त्राय फट्॥ अथ ध्यानं॥ ब्रह्मीणी वै॥

॥ ष्णवी रौद्रा षडुजा चैव चतुर्मुखा॥

"Joint project of the Rajwade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai."

॥ची नेत्रां खड्ग चीश्रु ल शंख चक्र गदा॥
॥धरा॥१॥ तेजःपुंजे धराश्रेष्ठां ध्यायेद्दा॥
॥लकुमारिकां॥ पीतांबरधरां देवीनाना॥
॥लंकार भुषीतां॥२॥ ॐकार लक्ष्मी॥
॥रुपस्च ह्रस्यंवी [illegible] यवं। वी ष्णु म॥
॥नंदमव्यं तं [illegible] जस रिणी॥
॥क्लीं मृतानंद क[illegible] ारा मन ह्दाय॥
॥नां॥३॥ श्री दे [illegible] घोत्ता मालीनीशे॥
॥चुमर्दीनी॥ [illegible] देवी नरद्यस्तु॥
॥मकारी॥४॥ ब्रांम्ही च वैष्णवी रौद्रा का॥
॥लीका स्कुरशा भवी॥ आकारे ब्रम्ह रुपेण॥
॥उकारे वीष्णु मव्ययं॥५॥ मकारे पुरुषो॥
॥नाम देवी प्रणव उच्यते॥ सुर्यकोटी प्रती॥
॥काशं चंद्रकोटी सम प्रभं॥६॥ तन्म ध्येनी॥

Joint project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai.

१४ ५१४५

॥कारं सुक्ष्मं ब्रह्मरुपी व्यवस्थीतं॥ ॐकारे
॥ परमानंदं क्रीयतेच सुखासुरः॥७॥ स
॥र्वमगमं गन्मे शक्ती सर्वार्थ साधके॥ च॥
॥ प्रथमे ब्रांबीका गौरि॥ द्वीतीया वै ह्यवीता॥
॥ धा॥ ८॥ त्रीतीया कमला घोका चतुर्थी सुं॥
॥ दरिद्रया॥ पंच [illegible] ष्णु [illegible] त्री चेशस्थी॥
॥ कासायनी [illegible] र मं तु वरारोही॥
॥ ब्रह्ममहारि [illegible] नवमं खडीनी चु॥
॥ क्ता दशमं देवि [illegible] ॥१०॥ इति स्तोत्रं॥
॥ मीदं प्रातः पठे [illegible] तो नरः॥ सर्वोडयो तु॥
॥ च्चे ते तच्च कार्ये सीधी वीचारणात॥११॥ येक
॥ मासद्वीमासं वा त्रीमासो तु चतुस्थापा॥ पं
॥ च मासं षट मासं वा त्री कालेयः सदा पटेत॥
॥१२॥ ब्रांम्हणेः क्लेशीलो द्वुराचारि हं भयपीडी
तः॥

Joint project of the Rajwade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai.

(15)

॥ जन्मांतरसहस्रेषु मुच्यते सर्वकील्बिषैः ॥

॥१२॥ आल्क्ष्मी नाशनं श्चा सौभा पुत्रा पुत्रवथी

॥ भव ॥ धन्यो यशश्वी शत्रु॥ न्घो वन्हीं चोरभ ॥

॥ येषु च ॥१४॥ शांकीनी भुतवेताळ सर्पव्या ॥

॥ घ्रनी नीपातनी ॥ [illegible] द्वारे सभास्थानेक ॥

॥ राग्रहनीबंधने [illegible] रण कृतं स्तोत्रं ॥

॥ प्राणीयांकीत [illegible] बंदी भाम्हणानी ॥

॥ संदारिंचन बाधे [illegible] ॥ इति श्री ब्रम्हाडं ॥

॥ पुराणे शी धुंम [illegible] रषि हष्णु संवादे ॥

॥ सीध लक्ष्मी स्तोत्र संपुर्णे मस्तु ॥ श्री सी ॥

॥ ध्य महालक्ष्मी र्पेण मस्तु ॥ शुभं भवतु ॥

॥ अाध्य मंत्र जप सरव्या ॥१०८॥ संकटे ॥१०००

॥ मंत्र ॥ ॐ ह्रीं क्लीं श्रीं ब्रां म्हीं वै ह्या णि रे म्हो ॥

॥ श्री सीध लक्षिमी स्तोत्र संपुर्णं मस्तु ॥ ५१ ॥ ५१ ॥

" Joint project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai. "

(१८)

॥श्री गजाननर्नेवैरद॥ब्रह्मणाद्ये श्री ब्येद्ध॥
॥राहकल्पे वैवस्वत मन्मंतरे कलमुगेप्र॥
॥थमचेरणे भरथवर्षे भरतखंडे जंबुद्वी॥
॥पे दंडःकारणे देशे गोदावर्या दक्षीणेती॥
॥रे दक्ष्यवे दया कृतारेती रे॥शालीवानशे॥
॥के बौध्येअवतारे ... अस्मीन वर्ते॥
॥माने उतरायेणे ... रतौ॥अमुकमासे॥
॥द्रनामसंवत्सरे ... मासे॥अमुक॥
॥क पक्षे॥अमुक ... ॥अमुकतीथे॥
॥अमुकवासरे॥ महानद्या मां॥काई॥
॥कवाचीक मानसीक सावसंगीकदोष॥
॥परिहारार्थं कृष्णावेणी गोदावरी भागी॥
॥रथी गुरुचेरण तीर्थे हीके नद्याः स्नान॥
॥महं करिष्ये॥आपो गंगा गंगेति यो ब्रुया॥

(४)

Joint project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai.

।।द्र, योजनानां शतैरपि। मुच्यते सर्वपा।।
।।पेभ्यो विष्णुलोकं स गच्छति ।।१।। नमः क।।
।।मलनाभाय नमस्ते जलशायीने ।। नम।।
।।स्तेस्तु हृषीकेश ग[illegible]ध्ये नमोस्तुते।।
।।२।। महाबु[illegible] [illegible] हत्या [illegible]भयलो।।
।।मुखी।। वेदेन [illegible] महापाध्ये नमो।।
।।स्तु ते।।३।। [illegible] पुरा नरसाक्षात्।।
।।दे एकादेवा[illegible] [illegible]रामयो संगमे य।।
।।च मुक्तीस्तुचेन्नेशय।।४।। शरीरे जर्जरं
।।भूते व्याधिग्रस्ते कलेवरे।। औषधं भा
।।गीरथीतोयं वैद्यो नारायणो हरिः हरिर्ना
।।रायणोगंगागंगा नारायणो हरिः।।हरि

Joint project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai."

२८ (18)

॥ दे रहे समनुष्यात्ये ॥ तिर्थस्नानसमाचरत्
॥ रात्रिके हारमेपापं ॥ यनमयाद्दृशाकृतं
॥ कृतं ॥ वयाहोतेनपापेन ॥ सर्वेषांपेधि
॥ मुचेसं ॥ पापोहं पापकर्मोणामं ॥ पापा
॥ त्मापापसंभवा ॥ चाहिमांपरमयांगग ॥
॥ सर्वेपापंहारो ... सर्वपापक्षया
॥ यं ॥ काइकवा ... तक ॥ दोषापरि
॥ हारापं ॥ कथ्याचे ... रथिरनामहंक
॥ रिशे ॥ ५ ... ५ ॥ ५ ॥

॥ श्रीविष्णुपंजरस्तोत्र ॥

॥ श्रीगणेशायनमः ॥ ॐ अस्यश्रीविष्णुपं
॥ जरस्तोत्रमंत्रस्य ॥ नारदऋषिः अनुष्टु
॥ पछंदः ॥ श्रीविष्णुपरमात्मादेवता ॥ अहं
॥ बिजं सोहं शक्तीः ॐ ह्रीं कीलकं ॥ मम

Joint project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai.

मूळ प्रत पाहण्यासाठी संपर्क

इतिहासाचार्य वि.का. राजवाडे संशोधन मंडळ, धुळे
राजवाडे पथ, गल्ली नं. १, धुळे-४२४००१ (महाराष्ट्र)
दूरध्वनी क्रमांक (०२५६२) २३३८४८
Email ID : rajwademandaldhule@gmail.com